आरव टाइम्स

DCPLic. No.-: F2(A-7) PRESS/2021

E-mail.aaravtimes2021@gmail.com (दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक)

वर्षः 02 अंकः 65 नई दिल्ली, 28 नवम्बर से 04 दिसम्बर, 2022 पृष्ठ-08 मूल्य- 4/-

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर... 08

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार पर राजनीति से कमजोर होता लोकतंत्र

-हनी सहगल-

पिछले सालों में शीर्ष मंत्रियों, सांसदों, विधायकों एवं राजनैतिक दलों के शीर्ष नेताओं पर भ्रष्टाचार के मामलों में जांच एंजेन्सियों की कार्रवाई की साहसिक परम्परा का सूत्रपात हुआ है, तभी से इस तरह की कार्रवाईयां में राजनीतिक दलों को अपना जनाधार बढ़ाने की जमीन नजर आने लगी है। इन शर्मनाक, अनैतिकता, भ्रष्टाचार एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के हनन की घटनाओं में शामिल राजनीतिक अपराधियों को भरतसिंह से उपमित करना राजनीतिक गिरावट की चरम पराकाष्ठा है। अपने नेताओं के काले कारनामों पर परदा डालने के लिये राजनीतिक दलों के तथाकथित कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए सड़कों पर उतर आते हैं जो आम जनता के लिये परेशानी का सबब बनते हैं।

यह कैसा राजनीति चरित्र गढ़ा जा रहा है? यह कैसी शासन-व्यवस्थाएं बन रही है? नई आबकारी नीति बनाने और शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में अनियमितता के आरोप में जब केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पूछताछ के लिए तलब किया तो आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए।

दिल्ली में मुस्कान मुंद्रा ने लॉन्च किए सेरीन उत्पाद

नई दिल्ली।

दिल्ली के गुरुग्राम में स्थित जोरबा रिजॉर्ट में देश के सुप्रसिद्ध उद्योगपति घराने से संबंध रखने वाली मुस्कान मुंद्रा ने सेरीन की ग्रैंड लॉन्चिंग की। इस कार्यक्रम ने दिल्ली में फैशन और सौंदर्य की दुनिया में तहलका मचा दिया। दिल्ली में आयोजित इस पार्टी में मुस्कान ने अपने सौंदर्य और फैशन ब्रांड सेरीन को लांच किया। इस अवसर पर देश के जाने-माने व्यवसाई, मॉडल, इन्फुलेंसर, अभिनेता, अभिनेत्री और प्रमुख अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस लॉन्चिंग पार्टी का शुभारंभ एक भव्य फैशन शो से हुआ जिसमें देश के ख्याति प्राप्त मॉडलों ने हाउस आफ सेरीन के उत्पादों का प्रदर्शन किया। समारोह में आई हस्तियों ने सेरीन के उत्पादों की सराहना की और उनकी गुणवत्ता को लेकर उनकी तारीफ की।

हाउस ऑफ सेरीन की फाउंडर मुस्कान मुंद्रा ने कहा कि हाउस ऑफ सेरेन के लॉन्च की घोषणा करते हुए प्रसन्न है। उनके परिधान और शाकाहारी चमड़े के हैंडबैग संग्रह संयंत्र आधारित चमड़े और पुनर्नवीनीकरण सामग्री से बने होते हैं। प्रकृति की शांति और शांति को एक साथ मिलाकर सेरीन बनाया गया है जो कि सेरेन शब्द का फ्रांसीसी अनुवाद है सेरीन सिर्फ एक ब्रांड नहीं है, यह एक ऐसी जीवन शैली है जहां सौंदर्यशास्त्र नैतिकता को पूरा करता है, जिसमें सस्टेनेबल, वेगन और प्रकृति के अनुकूल उत्पादों को पेश करके अछूते फैशन पर ध्यान केंद्रित करके लोगों की विलासिता की पूर्णता को बदलने की कोशिश की जाती है। सेरीन को 18 अप्रैल, 2021 को मुंद्रा लॉजिस्टिक्स के तहत मुंद्रा इंटरनेशनल के एक उपखंड के रूप में शामिल किया गया था। डिजाइन, क्यूरेट और निर्मित प्रत्येक श्रेणी और उत्पाद प्रकृति के तत्वों से प्रेरित है, चाहे वह चमड़े के बैग, परिधान या सौंदर्य प्रसाधन हों इसलिए ब्रांड ने शानदार कलेक्शन को एक इवेंट के साथ लॉन्च किया जो वास्तव में ए सेरेन नाइट था। इवेंट की थीम सेरीन नाइट ब्रांड की पेशकश की सभी विभिन्न श्रेणियों का एक अद्भुत एकीकरण था।

प्रत्येक खंड के सार और डिजाइन तत्व को चित्रित करने के लिए कई बूथ क्रमशः चमड़े के हैंडबैग, परिधान और सौंदर्य प्रसाधन के लिए समर्पित थे। इस कार्यक्रम ने आमंत्रित लोगों के साथ अनुकूलन योग्य लिपस्टिक और हैंडबैग काउंटर से लेकर फैशन शो तक विभिन्न आकर्षक गतिविधियों के साथ बातचीत की, जो इस कार्यक्रम का सितारा था। चुकि मेरा पूरा परिवार देश का एक ख्याति प्राप्त औद्योगिक घराना है हमारे पिता, हमारे दादा गण और हमारे तमाम रिश्तेदार दशकों से इस देश को उद्योग के माध्यम से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसलिए मुझे अपना व्यवसाय शुरू करने में कोई समस्या नहीं हुई। सेरीन के उत्पाद सेरीन लॉजिस्टिक बाय मुंद्रा से है।

कॉफी माध्यम से बनाई गई पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन

नई दिल्ली। कलाकार निधि भारती के दवारा कॉफी माध्यम से बनाई गई नेचर्स कॉर्ड नामक सोलो पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन, ओपन पाम कोर्ट, इंडिया हैबिटेट सेंटर, दिल्ली में किया गया. जिसका उदघाटन बिमान दास, अध्यक्ष आईफैक्स और परमजीत सिंह पूर्व अध्यक्ष आईफैक्स, ने किया।

कलाकार निधि भारती ने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय से ललित कला में स्नातक किया. एक दशक पहले नेस्काफे कॉफी के साथ पहली बार पेंटिंग का अभ्यास शुरू किया था, इन 10 वर्षों में, जयपुर में एकल ,प्रदर्शनियों से शुरू होकर जयपुर कला महोत्सव, ,आर्ट फिएस्टा-जयपुर, इंडियन आर्ट फेस्टिवल-दिल्ली और मुंबई , वर्ल्ड आर्ट दुबई के अलावा जयपुर आर्ट समिट द्वारा दक्षिण कोरिया में प्रदर्शनी के लिए चुना गया, निधि भारती का मानना है कि कॉफी पेंटिंग धीरे-धीरे भारत में लोकप्रियता प्राप्त कर रही है।

इस अवसर पर दिलीप हितकारी रविन्दर तंवर रूपचंद नीरज शर्मा, भारती शर्मा ,विजय सेठ के अलावा कला प्रेमी उपस्थित थे, यह प्रदर्शनी 31 अक्टूबर तक चलेगी।

उत्तर दक्षिण भारतीय सांस्कृतिक संगीत कार्य karam आयोजित

नई दिल्ली। द पायनियर आर्टस एजुकेशन सोसायटी एवं विविध आर्ट के द्वारा उत्तर दक्षिण भारतीय संस्कृतिक संगीत कार्यक्रम का आयोजन कमानी सभागार दिल्ली में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन श्री हरीश अवल चीफ ओएनजीसी श्री श्री ललित नारंग सेक्रेटरी द पायनियर एजुकेशन सोसायटी श्री नरहरि डायरेक्टर विविध आर्ट के द्वारा हुई।

कार्यक्रम का आगाज सरोद वादन श्री तेजेंद्र नारायण मजूमदार राग हेमंत से हुआ जो कि तीन ताल में लय बद था। जिससे उनका साथ मशहूर तबला वादक उस्ताद अकरम खान जी ने दिया। कार्यक्रम की दूसरी प्रस्तुति त्रिचूर ब्रदर्स के गायन ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम के अंत में माननीय श्री चंद्र केतु जी डायरेक्टर आयुष द्वारा कलाकारों को शाल एवं बुके भेंट दी गई।

संस्था के सैक्रेटरी श्री ललित नारंग ने उपस्थित सभासदों को धन्यवाद किया व भारतीय संगीत को बढावा देने हेतु अनेक के आयोजनों का भी विश्वास दिलाया। कार्यक्रम का आयोजन LIC of India, ONGC, संगीत नाटक अकादमी व संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से हुआ।

मेक इन इंडिया की लाइटिंग उत्पादों की मजबूत ऋंखला के साथ आज लाइट + एलईडी एक्सपो इंडिया 2022 की हुई शुरूआत

नई दिल्ली। भारत की सबसे बहुआयामी लाइटिंग प्रदर्शनी , लाइट + एलईडी एक्सपो इंडिया ने आज नई दिल्ली के प्रगति मैदान में अपने विशेष संस्करण की शुरुआत की। यह तीन दिवसीय विशाल प्रदर्शनी 1000, से अधिक लाइटिंग टेक्नोलॉजी एवं समाधानों के प्रदर्शन के साथ भारत के आत्मनिर्भर भारत मिशन के समर्थन में मेड इन इंडिया उत्पादों, टेक्नोलॉजी और समाधानों की एक मजबूत ऋंखला पेश करती है।

लाइटिंग टेक्नोलॉजी के निरंतर प्रगति पर प्रकाश डालते हुए इसके लाइटिंग सुधारों के अगले चरण को अमल में लाने के लिये लाइट + एलईडी एक्सपो इंडिया का आयोजन दिल्ली के प्रगति मैदान में किया जा रहा है। इस तीन दिनों तक चलने वाले व्यापार मेले का भव्य उद्घाटन लाइटिंग उद्योग एवं व्यापार संघों के विशिष्ट व्यक्तियों के द्वारा किया गया जिनमें निम्नलिखित नाम शामिल हैं-डॉ आरके भारती, संयुक्त निदेशक एमएसएमई-डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार। श्री अविंदर सिंह, अध्यक्ष - एल्कोमा और प्रबंध निदेशक - ओसराम लाइटिंग

श्री श्याम सुजान, महासचिव, एल्कोमा श्री सुनील सिक्का, सलाहकार, एल्कोमा श्री निरुपम सहाय, कोषाध्यक्ष, एल्कोमा श्री मौरिस मेस, अध्यक्ष, ग्लोबल लाइटिंग एसोसिएशन श्री ब्रायन डगलस, महासचिव, ग्लोबल लाइटिंग एसोसिएशन श्री अनिल शिपले, कार्यकारी अध्यक्ष, पॉलीकैबश्री एंटनी कोरी, सीईओ, फुलहम कंपनी इंक श्री बीजू जॉन, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, आईटीविस टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड

श्री राज मानेक, कार्यकारी निदेशक और बोर्ड सदस्य आदि।

काग़ज़ के एक टुकड़े से दिवाली मनाने की तरकीब- आरना वधावन

नई दिल्ली। भारतवर्ष में मनाए जाने वाले सभी त्यौहारों में दीपावली का सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्त्व है. माना जाता है कि दीपावली के दिन अयोध्या के राजा राम अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे. श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाए. तब से आज तक भारतीय प्रति वर्ष यह प्रकाश-पर्व हर्ष व उल्लास से मनाते हैं. भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है झूठ का नाश होता है. दीपावली यही चरितार्थ करती है- असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय. दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है. दीपावली रोशनी का त्योहार है. शुरुआत के दिनों में दीप जलाने का मकसद कुछ और था, लेकिन धीरे-धीरे पटाखे हावी हो गए. इससे न सिर्फ प्रदूषण फैलता है, बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है. दीवाली के दिन धुएं वाले पटाखे छोड़े जाने की वजह से चारों ओर सिर्फ धुआं ही धुआं हो जाता है, इसलिए प्रदूषण रहित दीवाली मनाएं. प्रदूषण रहित काग़ज़ के पटाखे बनाने का एक अनोखे तरीके का पर्यावरणविद आरना ने सुझाव दिया. कगाज के पटाखे केवल ध्वनि उत्पन्न होती है और प्रदूषण भी नहीं होता. इसलिए एक मात्र काग़ज़ के टुकड़े से पटाखे की आवाज़ निकाल कर अपने घरों में दिवाली का त्योहार मानना चाहिए. तभी दिवाली के महत्व सार्थक होगा. इस दिवाली पर बच्चों में पर्यावरण की जागरूकता जागते हुए आरना वधावन ने ना सिर्फ़ स्कूल के बच्चों को पटाखों से होने वाले हानिकारक प्रदूषण के बारे में बताया बल्कि वहाँ मौजूद सब बच्चों से प्रतिज्ञा लेने के लिए कहा की इस दिवाली हम सब पटाखे ना जलाकर पृथ्वी की रक्षा करेंगे. दिवाली खुशियों और उल्लास का त्योहार है. इस दिवाली आप फूड वेस्टेज को कम करने में मदद कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते हैं और गरीब बच्चों व परिवारों को मिठाईयां व कपड़े बांट सकते हैं। यह न सिर्फ आपकी दिवाली को खास बना देगा, बल्कि आसपास के माहौल को भी खुशनुमा बना देगा.हमें एक जिम्मेदार नागरिक के तरह व्यवहार करना चाहिए और पटाखे जलाने जैसे बेवकूफीपूर्ण आदत का त्याग करना चाहिए। यह वह समय है जब हमें समझना होगा की पटाखे जलाना त्योहार मनाना नही है बल्कि प्रदूषण को बढ़ावा देना है, जोकि हमारे ग्रह को गंभीर नुकसान पंहुचा रहा है।

सैस फाउंडेशन द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया

नई दिल्ली। आज सैस फाउंडेशन द्वारा विशाल रक्तदान शिविर हनुमान मंदिर, शंकर विहार लक्ष्मी नगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर पर लगाया गया। कार्यक्रम में संकड़ों लोगो ने रक्तदान किया और पुण्य के भागी बने। संस्था के अध्यक्ष श्री शक्ति बक्शी ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। प्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय अजय भाई जी ने रक्तदान किया और कहा की भारतीय संस्कृति में सेवा का विशेष महत्व है और रक्तदान सबसे बड़ी सेवा है। श्री शिव शक्ति नाथ बक्शी सचिव

संसदीय बोर्ड ने भी स्वयं रक्तदान किया और कहा के हमे युवाओं को रक्तदान व देहदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। दिल्ली भाजपा विधायक व नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर विधूड़ी जी ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अनेक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि आए। श्री शक्ति बक्शी जी ने सभी रक्त दाताओं और मेहमानों का धन्यवाद किया।

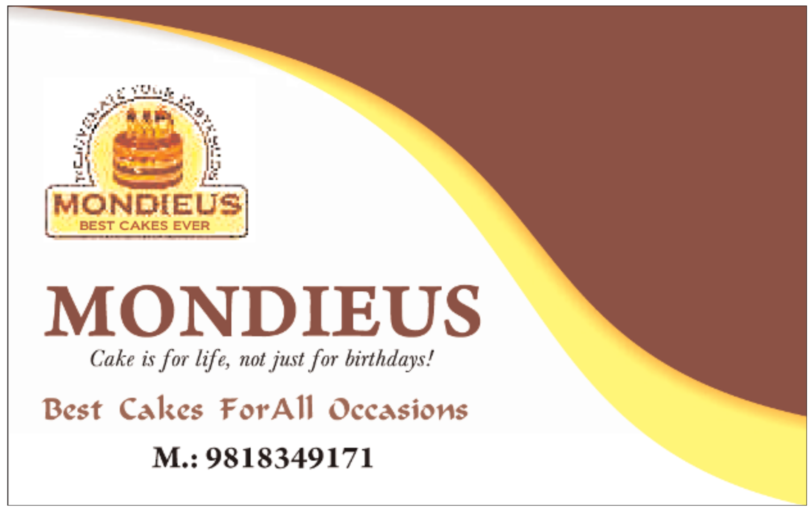

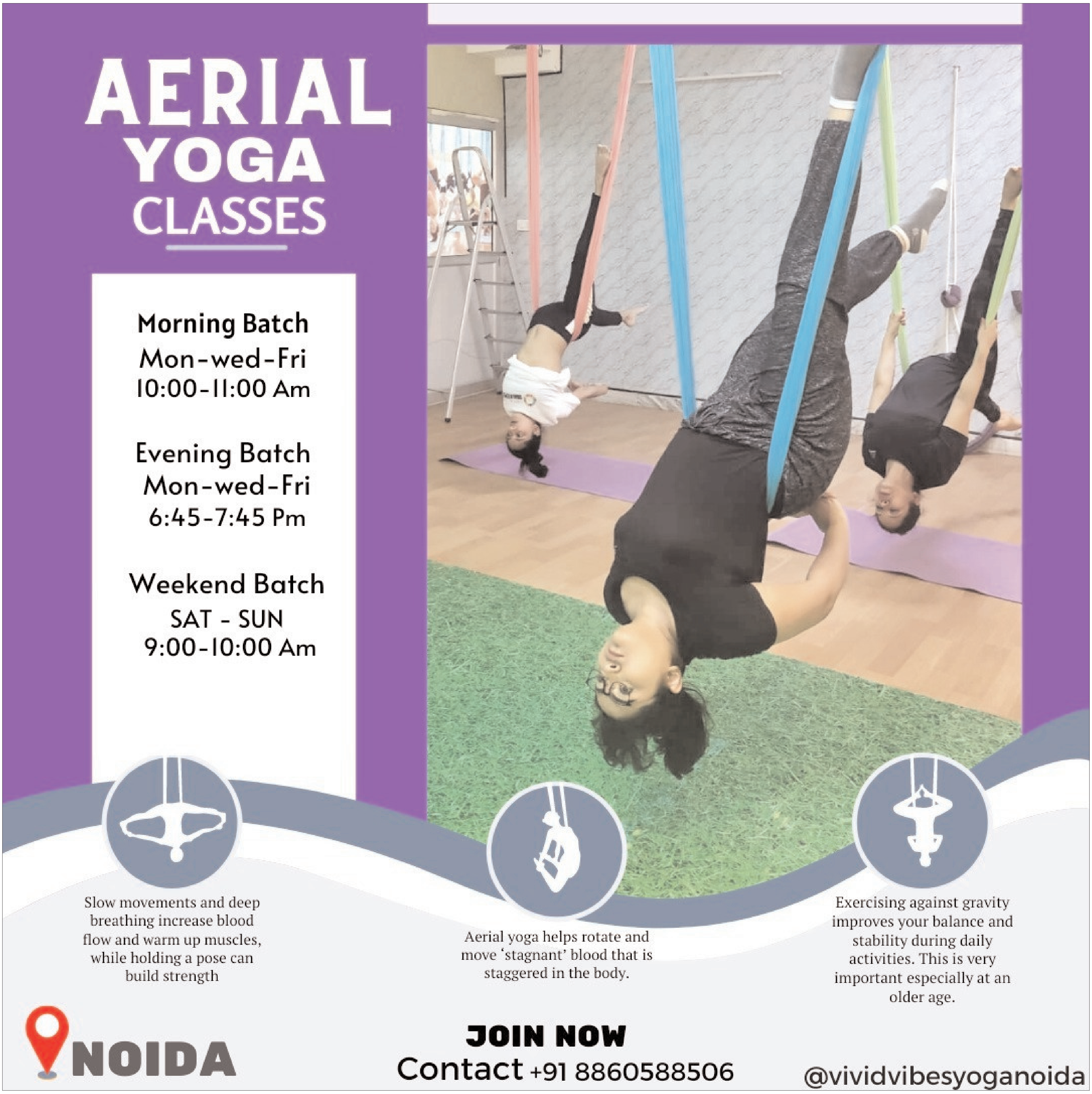

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर सभी राज्यों की मिट्टी एकत्रित की गई

दिल्ली। राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली के छत्तरपुर में स्थित लिंगयास यूनिवर्सिटी में राज्य की मिट्टी से राष्ट्र का निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को आरजे आरती मल्होत्रा और डॉ. तिलक तनवर द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर मेजर जनरल जी.डी. बक्शी व बॉलीवुड एक्टर अरुण बक्शी ने शिरकत की साथ ही गणमान्य अतिथि के तौर पर डॉ. पिचेश्वर गद्दे, डॉ. विजय कुमार शाह, अमरेन्द्र खाटू, एक्टर मुकेश दहिया, बीजेपी स्पोकपर्सन निघाट अब्बास, इंद्रजीत सिंह गुलाटी सहित कई दिग्गज लोग उपस्थित रहे जिन्हें सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई जिसमें अनेकों संस्थान के समाजसेवी सभी राज्यों से अपने अपने राज्य की मिट्टी लेकर आए। देश की मिट्टी से भारत का नक्शा बनाया गया जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उपहार के रूप में भेंट किया जाएगा। इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व राष्ट्रगान से की गई। इस दौरान डॉ तिलक तनवर व अन्य लोगो ने अपने द्वारा लिखी पुस्तक का विमोचन भी किया। इस दौरान सभी समाजसेवियों और दिग्गज हस्तियों को सम्मानित किया गया और साथ ही अपने देश कल्चर को दर्शाते हुए बच्चों द्वारा डांस भी प्रस्तुत किया गया।

दो करोड़ रुपये से अधिक की किताबों की बिक्री के साथ कलेक्टर बेस को बढ़ाने के लिए आगे की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफल कदम

नई दिल्ली।

कुल बिक्री नीलामी के कुल निचले अनुमानों के लगभग 100 प्रतिशत के बराबर ऑक्शन हाउस डीरिवाज एंड आईब्स ने भारत पर फोकस के साथ दुर्लभ पुरातात्विक पुस्तक, कैटेलॉग और प्रिंट्स शीर्षक की अपनी उद्घाटन नीलामी संपन्न कर ली। दुर्लभ और पुरातात्विक पुस्तक कलेक्टरों की तरफ से इस बिक्री को खरीदारों की बहुत सकारात्मक और सफल प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

नीलामी में 61 प्रतिशत लॉट्स की बिक्री हुई जबकि विभिन्न छोटे लॉट्स की बिक्री नहीं हो सकी, लेकिन सभी महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय किताबों जैसेकि जॉन गाउल्ड, फ्रांसिस विलियम ब्लैगडौन, और कोलैब्रूक, जोसेफ डॉल्टन हूकर, एलेक्जेंडर ऐलन, चाल्स स्टीवर्ट हार्डिंग, जॉन मार्शल जैसे लेखकों की किताबें हाथों हाथ बिक गई। कुल बिक्री मूल्य कुल 61 प्रतिशत सेल्स के लॉट्स के साथ उल्लेखनीय 20,991,600 (262, 395 अमेरिकी डॉलर) रुपये का रहा लेकिन इसकी नीलामी के कुल निचले अनुमानों के लगभग 100 प्रतिशत के बराबर रहा।

नीलामी 6 से 8 अक्टूबर, 2022 तक चली और इसमें 17वीं सदी से 20 वीं सदी तक की उत्कृष्ट किताबों का एक

प्रभावशाली कलेक्शन प्रस्तुत किया गया था। पहले संस्करण की शीर्ष चार मूल्य वाली किताबें थीं-12- लॉट 13 फ्रांसिस विलियम ब्लैगडौन (1877-1954) Brief History of Ancient and Modern India: From 3- लॉट 37 चाल्स स्टीवर्ट हार्डिंग 1822 1894) टाइटिल 1,344,000 4- लॉट 21 जोसेफ डॉल्टन हूकर (1817 1911) टाइटिल 952,000 नीलामी में दूसरी सबसे बड़ी बोली फ्रांसिस विलियम ब्लैगडौन के लिए लॉट 13 के लिए थी

दुर्लभ और पुरातात्विक पुस्तक, प्रिंट के लिए डीरिवाज एंड आईटस की उद्घाटन नीलामी कुल निचले अनुमानों के लगभग 100 प्रतिशत के बराबर की कुल बिक्री के साथ आगे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। कला के शीर्ष संग्रहकर्ताओं यानी कलेक्टरों और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की इच्छा रखने वाले अब सार्थक पुस्तकालयों और हमारे इतिहास के अभिलेखागारों का निर्माण ईमानदार और पारदर्शी तरीके से कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय शेफ्स दिवस के उपलक्ष्य में इंडियन कुलिनरी फोरम ने 19 वें वार्षिक शेफ अवार्ड्स का आयोजन किया

नई दिल्ली। इंडियन कुलिनरी फोरम ने दिल्ली के होटल प्राइड प्लाजा में भारत के सबसे बड़े कुलिनरी अवार्ड्स 19 वें वार्षिक शेफ अवार्ड्स का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय शेफ्स दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत के पर्यटन सचिव श्री अरविन्द सिंह शाम के मुख्य अतिथि थे, उन्होंने भारतीय हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के फायदे अवसर और चुनौतियों के बारे मैं अपने विचार रखे। पुरस्कारों में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के अन्य दिग्गज भी मौजूद थे।

शैफ देविंदर कुमार, प्रेसिडेंट इंडियन कुलिनरी फ़ोरम ने कहा, शेफ अवार्ड्स का उद्देश्य न केवल हमारे शेफ सदस्यों के योगदान का सम्मान करना है, बल्कि हजारों युवाओं को इस पेशे को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। बेहतर शिक्षा प्रदान करने और भव्य उद्योग-विशिष्ट कार्यक्रमों का आयोजन करके, हम आतिथ्य उद्योग में नए मानदंड स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

शैफ विवेक सागर, जनरल सेक्रेटरी, इंडियन क्युलिनरी फ़ोरम, ने कहा, शेफ को कलाकारों के रूप में देखने की जरूरत है क्योंकि वे जो भी तैयार करते हैं उससे कम नहीं है, इसके लिए कल्पना और रचनात्मकता की बहुत आवश्यकता है। यह एक ऐसा मंच है जहां युवा शेफ्स हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के दिग्गजों से मिल सकते हैं और विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। भारत के यह सबसे बड़े कुलिनरी अवार्ड्स इस पेशे के बारे में अधिक जागरूकता फैलाएंगे और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में शेफ्स की मुख्य भूमिका को उजागर करेंगे।

इंडियन कुलिनरी फोरम द्वारा आयोजित शेफ अवार्ड्स के दौरान 17 विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए, 11 श्रेणियों में यह पुरस्कार कुलिनरी प्रतियोगिता के विजेताओं को दिए गए और 6 शीर्ष पुरस्कार इंडियन कुलिनरी फोरम की शीर्ष जूरी द्वारा चयनित इंडस्ट्री के दिग्गजों को दिए गए। शेफ अवार्ड्स का उदेश्य भारत के खानपान की प्रतिष्ठा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाना और बड़े पैमाने पर शेफ प्रोफेशन को सम्मान दिलवाना है।

इस बेहद भव्य शो से पूर्व चार दिनों तक 15 0 से अधिक शेफ्स के बीच में 10 विभिन्न श्रेणियों में कुलिनरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के दौरान कई शेफ्स ने अपनी रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन किया। इन प्रतियोगियों का आकलन वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ़ शेफ सोसाइटीज (व्ब्ष्ट्स) से प्रमाणित शेफ़्स और होटल उद्योग के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। शेफ़ दयाशंकर शर्मा इस वर्ष की प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल के अध्यक्ष थे, जबकि शेफ सिरीश सक्सेना संयोजक सचिव थे।

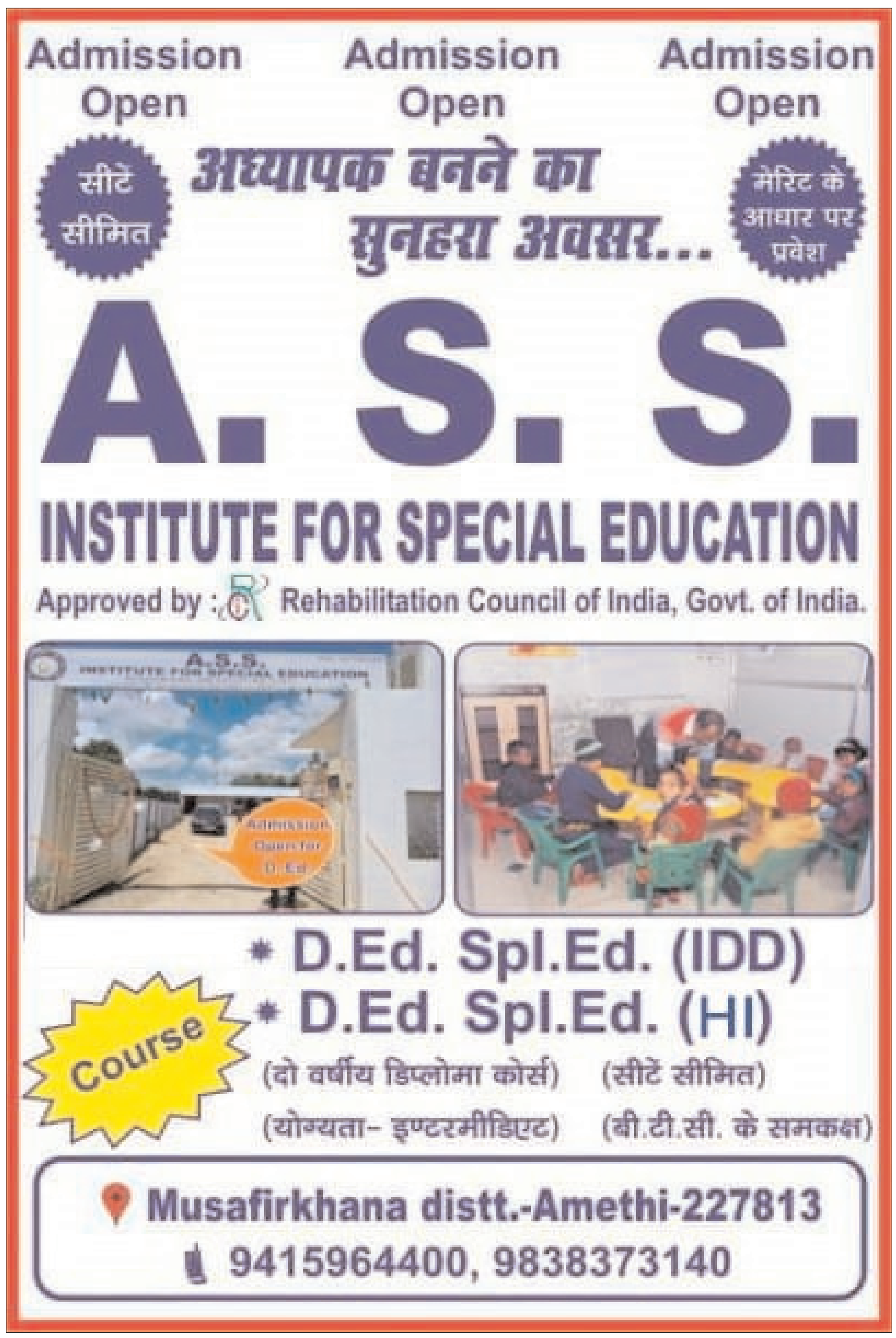

स्वंयसाध्य के लिए जरूरी है दूसरों के विचारों को भी महत्व दिया : नीलिमा ठाकुर

नई दिल्ली। स्वंयसाध्य के लिए जरूरी है दूसरों के विचारों को भी महत्व दिया जाए।(नीलिमा ठाकुर) एक जापानी जेन मास्टर थे । एक बार एक प्रोफ़ेसर उनसे जेन के बारे में कुछ पूछने आये , पर पूछने से ज्यादा वो खुद इस बारे में बताने में मग्न हो गए। मास्टर ने प्रोफ़ेसर के लिए चाय मंगाई , और केतली से कप में चाय डालने लगे , प्रोफ़ेसर अभी भी अपनी बात करते जा रहा था की तभी उसने देखा की कप भर जाने के बाद भी मास्टर उसमे चाय डालते जा रहे हैं , और चाय जमीन पर गिरे जा रही है। यह कप भर चुका है , अब इसमें और चाय नहीं आ सकती , प्रोफ़ेसर ने मास्टर को रोकते हुए कहा- इस कप की तरह तुम भी अपने विचारों और ख़यालों से भरे हुए हो . भला जब तक तुम अपना कप खाली नहीं करते मैं तुम्हे जेन कैसे दिखा सकता हूँ ? , मास्टर ने उत्तर दिया।इसी तरह जीवन मे सिर्फ मैं आपको कभी ऊँची जगह नही लेकर चल सकता।आज के इस दौर में प्रत्येक व्यक्ति सिर्फ मैं की ओर चल रहा है।कभी उसने दूसरे के विचारों को आत्मसात करने की उसे जानने की जरूरत क्यूँ महसूस नही हो पा रही है।क्यूंकि मैं का प्याला इतना भरा हुआ है, की कुछ और कि जगह बची ही नही। इस कहानी का तात्पर्य वही है कि स्वंय को इतना खाली जरूर रखे कि किसी के अच्छे विचार जगह ले सके।संपूर्णता वही है ,जो जीवन को सार: दे उसको परहित और परोपकार में आनंद मिले ,और वो आपको प्रेरणादायक विचारों, कहानियों व महान जीवनियों के विचारों से मिलेगा।स्वंय को जानने की प्रक्रिया का पहला चरण दूसरों को सुनने और समझने से शुरू होता है।

महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर नारी शक्ति पर सेमिनार आयोजित

नई दिल्ली। आरटस रिंग रोड लाजपत नगर के द्वारा आज महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर नारी शक्ति विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजिका श्रीमती शिप्रा सिंह एवं श्रीमती हरसिमर जी ने एक साथ मिलकर नारी शक्ति कार्यक्रम के सदस्यों को संगठित किया।

इस कार्यक्रम में दो महिला डॉक्टर डॉ. आरुषि डूडेजा एवं डॉ. अमोदिता आहूजा ने महिलाओं की स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर संबोधित किया दोनों डॉक्टरों ने समस्याओं के निवारण के लिए सभी महिलाओं का मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी महिलाओं को जागरुक करना था। और उन्हें साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

दहलीज को इंद्रधनुषीय शोभा प्रदान करने वाली,सौम्य मूर्तियों को जय श्री कृष्णा श्री ठाकुरजी के आशीर्वाद से......

नई दिल्ली। दहलीज को इंद्रधनुषीय शोभा प्रदान करने वाली,सौम्य मूर्तियों को जय श्री कृष्णा?? श्री ठाकुरजी के आशीर्वाद से...... धन्य एवम् धान्य से ओत प्रोत है वह घर जिसकी चार दिवारी पर लाडली बेटियों का कलरव उसे प्रति पल जीवंतता प्रदान किए हुए रहता है।सामाजिक पद्दोनत्ति के श्रृंगार रस से, भोगती हुई ,कब यह लाडली अपनी भीगी हुई पलकों को बिना झपकाए , किसी दूसरे घर का अभिन्न हिस्सा बन जाती है,इसका पता ही नहीं चलता। समर्पित भावों के भाग्य से सजी हुई इन सुंदर ईश्वर कृतियों को नमन बेटी से बहु के इस विषम सफर को सदैव,सरल एवम् सामाजिक स्वीकारोक्ति मिलती रहे।

OUR SERVICES:-

PRESS CONFERENCE
ONLINE CHANNELS
SATELLITE TV CHANNELS
DIGITAL MEDIA
PRINT MEDIA
SATELLITE TV CHANNELS
PRINT MEDIA NEWS/ADS
TV ADS , TV DEBATES
MARRIAGE SHOOTS, PORTFOLIO
RGA AWARDS
MAGAZINE COVERAGE
LIVE VIDEOS
CINEMATIC VIDEOS
GOOGLE PROFILE MAKING

Little India Foundation
"Putting Lives Back Together"
IF WE CAN CONQUER SPACE
WE CAN CONQUER CHILDHOOD HUNGER
COOKED MEAL SUPPORT
DONATE A MEAL TO NEEDY TODAY
CALL FOR SUPPORT
9560688867, 9811625370
Mail us: littleindiafoundation@gmail.com

एकता सहगल मल्होत्रा

कहीं किसी मोड़ पर मिल गई मुझे एक बूढ़ी स्त्री....

कुछ घबराई,कुछ शरमाई
कुछ सहमी सी ,डरी डरी।
अरे! तुम्हारी आँखे क्यों हैं नम ?
सुनते ही लिपट गई मेरे गले से,
फूट फूट रोने लगी,
भर्राए गले से व्यथा अपनी कहने लगी।
मैं हूं सोने की चिड़िया, लेकिन अब मेरी चमक खो सी गई है,
आज मेरी कीमत तांबे के बर्तन से भी कम हो गई है।
मैं कल भी काबिल थी, आज भी काबिल हूं,
लेकिन हालातों ने मुझे कहीं का रहने नहीं दिया,
मेरे आत्मसम्मान को दर ब दर ठोकर खाने के लिए छोड़ दिया।
यूं तो आज मैं पिचहत्तर साल की हो गई हूं,
लेकिन रहती हूं डरी डरी,
सुनना चाहते हो तो सुन लो ,आज बात करूंगी खरी खरी।
अंग्रेजों के चुंगल से हो तो गयी थी आज़ाद,
किंतु पुरानी सड़ी गली मानसिकता से आज़ादी न मिली,
यूं तो उड़ने का मौका भी मिला भरपूर,
किंतु ईर्ष्या, जलन, क्रोध ने आसमान किया मुझ से दूर।
अत्याचार , लालच, क्रूरता ने मेरे पंख कुतर दिए ,
मेरी उड़ान के सारे रास्ते बंद कर दिए।
क्या आज मेरे जन्मदिन पर करोगे मुझ से एक वादा ?
क्या आज पक्का करके दिखा पाओगे अपना इरादा ?
हर लड़की आसमां में बेखौफ उड़ेगी
खुली आँख से सपने देखेगी, पूरे भी करेगी।
हमारी युवा पीढ़ी देश का मान रखेगी, देश की शान बनेगी।
सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा, सिर्फ गीत ही नहीं हकीकत में करके दिखाएंगे
मज़हब के नाम पर एक दूसरे को नीचा नहीं दिखाएंगे।
आपस के बैर को मिल जुल कर सुलझाएंगे।
बस इतनी सी आरज़ू के सहारे अगले 25 वर्ष, अमृत का महोत्सव मनाएंगे।
मां भारती और मेरी यही पुकार हर भारतीय तक पहुंचाएंगे।
जय हिंद।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक हनी सहगल द्वारा आदित्य ग्राफिक्स इंक्स, प्रताप भवन, 5- बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली- 110002 से मुद्रित एवं 278 बाल्मिकी मोहल्ला, तेहखंड, ओखला इंडस्टी, एरिया फेस-1 नई दिल्ली-110020 मो. 7982376627, 9971266093।
प्रकाशित लेखो के लेखको की राय से सम्पादक या प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी कानूनी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगा।